सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 145 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार 30 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

हमारे निर्माता भगवान ने हमारे मस्तिष्क और व्यक्तित्व में असीमित शक्तियां और क्षमताएं दी हैं। ईश्वर की प्रार्थना हमें इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है।

-डॉ. अब्दुल कलाम

रोहित-कोहली के क्लब में शामिल... 7 | यूडीएफ की जीत के बाद केरल... 3 | भाजपा बिचौलियों का प्रॉफिट... 2

इंडोनेशिया में डिफेंस अताशे के बयान से मचा हंगामा

'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर नहीं थम रहा विवाद

कांग्रेस ने मोदी सरकार को घेरा

भारतीय दूतावास ने कहा- संदर्भ को गलत प्रस्तुत किया गया

» भारतीय रक्षा अताशे बोले - पाकिस्तान पर किए गये हमले में एयरफोर्स ने खोए फाइटर जेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। देश में मचे सियासी संग्राम के बीच इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अताशे की इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है। इस टिप्पणी को लेकर विपक्ष खास तौर कांग्रेस ने भाजपा सरकार को घेर लिया है। अताशे ने कहा कि भारतीय वायुसेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रारंभिक चरण में अपने लड़ाकू विमान का नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उसे पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला न करने तथा केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया गया था। हालांकि सरकार ने खंडन किया हे।

इंडोनेशिया में भारतीय दूतावास ने कहा कि हाल ही में एक सेमिनार में उसके रक्षा अताशे द्वारा की गई टिप्पणी, जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि भारतीय वायुसेना ने राजनीतिक बाधाओं के कारण ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हाथों अपने जेट विमान खो दिए, को संदर्भ से बाहर और गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था। यह

इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अताशे की टिप्पणी

इंडोनेशिया में भारतीय रक्षा अताशे की इस टिप्पणी से विवाद खड़ा हो गया है कि भारतीय वायुसेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रारंभिक चरण में अपने लड़ाकू विमान का नुकसान उठाना पड़ा, क्योंकि उसे पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला न करने तथा केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाने का आदेश दिया गया था। कैप्टन शिव कुमार की 10 जून की टिप्पणियों का कथित वीडियो रविवार को ऑनलाइन सामने जिसमें उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के हाथों अपने लड़ाकू विमान खो दिए क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व ने निर्देश दिया था कि उस दिन सीमा पार किसी भी सैन्य प्रतिष्ठान पर हमला नहीं किया जाएगा।

मोदी सरकार देश को 'गुमराह' कर रही है : कांग्रेस

कांग्रेस ने रविवार को कैप्टन शिवकुमार की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय वायु सेना को 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान के हाथों अपने लड़ाकू विमानों का नुकसान उठाना पड़ा। कांग्रेस ने सरकार पर इस मामले में देश को 'गुमराह' करने का आरोप लगाया। इंडोनेशिया स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि रक्षा अताशे की टिप्पणी को ''संदर्भ से इतर उद्धृत किया गया है और मीडिया रिपोर्ट उनके द्वारा दिए गए बयान के उद्देश्य और महत्व को गलत तरीके से प्रस्तुत करती है। इसमें कहा गया, टिप्पणी में बताया गया कि भारतीय सशस्त्र बल, हमारे पड़ोस के कुछ अन्य देशों के विपरीत, राजनीतिक नेतृत्व के अधीन काम करते हैं। यह भी बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाना था और भारतीय कार्रवाई उकसावे वाली नहीं थी। अपने संबोधन में भारतीय रक्षा अताशे ने कहा कि 'राजनीतिक नेतृत्व' द्वारा दिए गए आदेश के कारण कुछ 'बाधाओं' के मद्देनजर भारतीय वायुसेना प्रारंभिक चरण के ऑपरेशन में पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं कर सकी।

भारतीय दूतावास के बयान पर आई सफाई

कैप्टन शिवकुमार द्वारा 10 जून को एक कार्यक्रम में की गई टिप्पणियों का कथित वीडियो सामने आने पर इंडोनेशिया स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि अधिकारी ने केवल यह तथ्य कहा था कि भारतीय सशस्त्र बल भारत के कुछ अन्य पड़ोसी देशों के विपरीत, राजनीतिक नेतृत्व के अधीन काम करते हैं। भारतीय नौसेना अधिकारी कैप्टन शिवकुमार पाकिस्तान-भारत युद्ध के दौरान वायु शक्ति के परिप्रेक्ष्य में जकार्ता के एक विश्वविद्यालय में आयोजित एक संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

विमान खो दिए, क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व की बाध्यता थी

कैप्टन कहा हमने कुछ विमान खो दिए और ऐसा केवल राजनीतिक नेतृत्व द्वारा सैन्य प्रतिष्ठान या उनकी वायु रक्षा प्रणाली पर हमला न करने की बाध्यता के कारण हुआ। लेकिन, नुकसान के बाद हमने अपनी रणनीति बदली और हमने सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया। हमने सबसे पहले दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट करने में सफलता प्राप्त की और यही कारण है कि हमारे सभी हमलेसतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों का उपयोग करके आसानी से किये जा सके।

स्पष्टीकरण तब आया जब कांग्रेस ने नौसेना अधिकारी के कबूलनामे को लपक लिया और मोदी सरकार पर मई में पाकिस्तान के साथ चार दिवसीय संघर्ष के दौरान हुए सैन्य नुकसान पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया।

कोलकाता में एलएलबी छात्रा के गैंगरेप का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

» सीबीआई निगरानी में जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोलकाता में एलएलबी छात्रा के गैंगरेप के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। सुप्रीम कोर्ट के वकील सत्यम सिंह ने सोमवार (30 जून, 2025) को याचिका दाखिल कर कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि तय समय सीमा में जांच की जाए।

पीड़िता को सुरक्षा और मुआवजा देने की भी मांग याचिका में की गई है। याचिकाकर्ता ने पीड़िता के बारे में तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी और विधायक मदन मित्रा के अपमानजनक बयानों का भी उल्लेख किया। 25 जून को साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की फर्स्ट ईयर की छात्रा के साथ दो सीनियर स्टूडेंट्स और एक पूर्व छात्र के सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया था। बीजेपी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी रविवार को एक रैली का नेतृत्व किया और पश्चिम बंगाल में हर बेटी की सुरक्षा की मांग की। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने हमारी बेटियों की सुरक्षा की मांग करते हुए एक किलोमीटर से कुछ कम दूरी तक पैदल मार्च किया। उन्होंने कहा, जब तक ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर नहीं किया जाता, बंगाल में महिलाओं के खिलाफ ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। मुख्यमंत्री ने अतीत में अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के बजाय पीड़ित महिलाओं के चरित्र पर संदेह जताया था।

कांग्रेस व माकपा ने रैलियां निकाली

कांग्रेस, माकपा और नागरिक संस्था के सदस्यों की ओर से भी शहर और इसके बाहरी इलाकों में इसी तरह की रैलियां निकाली गईं।

भाजपा व कांग्रेस ने ममता सरकार को घेरा

यह मामला सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी भड़की हुई है और उन्होंने बंगाल की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने शहर के खिदरपुर इलाके में और बीजेपी की युवा शाखा के सदस्यों ने हाटीबागान इलाके में रैली निकाली और बंगाल में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का आरोप लगाया और हर महिला की सुरक्षा की मांग की।

भाजपा बिचौलियों का लाभ बढ़ाने के लिए काम कर रही : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- व्यापारियों के लिए आपातकाल जैसे हालात हैं

» विरासत गलियारे के नाम पर लूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में व्यापारियों के लिए आपातकाल जैसे हालात हैं। सरकार बिचौलियों का प्रॉफिट बढ़ाने के लिए काम कर रही है। बिचौलिए मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग मुनाफा कमा रहे हैं और व्यापारियों की हालत ठीक नहीं है। भाजपा की चंदा पॉलिसी के तहत व्यापारियों से नजराना वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश के लिए एडवांस कमीशन की मांग हो रही है जिस तरह टैक्स सिस्टम लगाया गया है उससे व्यापारियों से ठगी की जा रही है।

व्यापारियों को झूठे जीएसटी नोटिस भेजे जा रहे हैं। भाजपा सरकार में सिर्फ सेटलमेंट पॉलिसी चल रही है। जो भी व्यापारी आवाज उठाएगा, उसके खिलाफ इतनी छापेमारी की जाएगी कि वह बर्बाद हो जाएगा। सपा के लोग व्यापारियों की अधिकारियों से रक्षा के लिए काम करेंगे। 2027 के विस चुनाव में व्यापारी सपा के लोगों का साथ देंगे। गोरखपुर में विरासत गलियारा के नाम पर व्यापारियों के मकान और दुकानें ढहाकर जमीन लूटी जा रही है। पीड़ा सुनने वहां गए विस में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय और विप में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव को भाजपा के विधायक व कार्यकर्ताओं ने रोका, जो निंदनीय है। इस घटना में नेता विरोधी दल गोरखपुर के जिलाधिकारी और एसएसपी के खिलाफ लिखकर कार्रवाई की मांग करेंगे और दोनों सदनों में नोटिस देंगे। अगर इनके खिलाफ अभी कार्रवाई नहीं हुई तो सपा सरकार बनने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा के सारे 'इंजन' हैं, 'ईंधन' के जुगाड़ में

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र और राज्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल के जितने भी 'इंजन' हैं, सब 'ईंधन' के जुगाड़ में लगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के राज में व्यापार आर्थिक-सामाजिक आपातकाल के दौर से गुजर रहा है और यह व्यापारियों के ऊपर नए तरह की 'इमरजेंसी' है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इनके काम करने का तरीका देखें तो सच्चाई सामने आ जाएगी और आज सरकार में हर इंजन ईंधन की जुगाड़ में लगा हुआ है। यादव ने 2027 के विधानसभा चुनाव के बाद सपा की सरकार बनने की उम्मीद जताते हुए कहा कि उनकी पार्टी की सरकार बनने के बाद व्यापारियों की सुरक्षा व सम्मान के लिए तथा उनके कारोबार को सहूलियत देने के लिए हर कदम उठाएंगी।

गोरखपुर और मथुरा में भी हारेगी बीजेपी

अखिलेश ने कहा कि भाजपा अयोध्या और प्रयागराज में हारी है। वाराणसी में हारते-हारते बची है। अगला नंबर गोरखपुर और मथुरा का है। सिसोदिया नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल कॉलेज में भी घपला हुआ, जहां कई सौ बच्चों की फीस जमा हुई थी, वे डिग्री के लिए घूम रहे है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा उन्हीं स्कूलों का विलय कर रही है, जहां के बूथ हारती है। इसमें चुनाव आयोग की भी मिलीभगत है।

अखिलेश व डिंपल शुभांशु के परिजनों से मिले

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पत्नि डिंपल यादव के साथ र त्रिवेणी नगर निवासी अंतरिक्षयात्री शुभांशु शुक्ला के घर जा कर उनके परिजनों को बधाई दी। अखिलेश ने शुभांशु के पिता शंभु दयाल शुक्ल को शुभांशु की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा पर बधाई देते हुए कहा कि शुभांशु पर पूरे देश को गर्व है। कन्नौज से सांसद डिंपल यादव ने शुभांशु की माता आशा देवी से कहा कि शुभांशु की उपलब्धि देश के युवाओं को प्रेरणा देगी।

नेताजी की स्मारक के लिए अभी कोई धनराशि न डालें

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट किया। इस पोस्ट में उन्होंने अपने पिता, भूतपूर्व रक्षा मंत्री और यूपी के भूतपूर्व सीएम स्व. मुलायम सिंह यादव के याद में बन रहे स्मारक में लोगों से अंशदान की अपील की थी। इस पोस्ट के बाद सपा के नाम पर सोशल मीडिया पर स्कैम शुरू हो गया है। कुछ लोगों ने आधिकारिक खाता संख्या और यूपीआई जारी हुए बिना ही रुपये इकट्ठा करने का दावा दिया। यह जानकारी सपा के एक बयान दी गई। दरअसल, अखिलेश ने लिखा कि इस वर्ष अपने सभी शुभचिंतकों से मेरी विनम्र अपील है कि मेरे जन्मदिन के अवसर पर किसी भी प्रकार की पुष्प गुच्छ भेंट, प्रतिमा, तस्वीर, पार्टी के चिह्न साइकिल की प्रतिकृतियों या किसी भी अन्य प्रकार की भेंट की जगह अपना-अपना योगदान माननीय नेता जी के निर्माणाधीन 'समाजवादी स्मारक' में अपने 'आस्था अंशदान' के रूप में पार्टी कार्यालय में आधिकारिक रूप से जमा कराएं। अखिलेश ने लिखा था कि समाजवादी मूल्यों के प्रति आपकी प्रतिबद्धता और आपके इस सहयोग के धन्यवाद स्वरूप हर अंशदाता का नाम 'समाजवादी स्मारक सहयोग पुस्तिका' में प्रकाशित किया जाएगा। सभी को मेरा अग्रिम धन्यवाद!

आज भी आपातकाल भोग रहा है हमारा परिवार : अब्दुला आजम

» पूर्व एमएलए बोले- इमरजेंसी के दौरान आजम खां 19 महीने जेल में रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । पूर्व कैबिनेट मंत्री मो. आजम खां के पुत्र व पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम खां ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुआओं की गुजारिश की है। उन्होंने लिखा है कि 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक 21 महीने की अवधि में भारत में आपातकाल घोषित था। आपातकाल के वक्त मो. आजम खां 19 महीने जेल में रहे थे।

मौजूदा वक्त में भी आजम का परिवार आपातकाल की स्थिति से गुजर रहा है। 27 महीनों की जेल पहले काट चुके हैं और अब भी जेल गए हुए 21 महीने होने जा रहे हैं। हमें अपने रब पर पूरा भरोसा है। हमारा रब हमें न्यायालय के जरिये न्याय दिलाएगा। सपा नेता आजम खां और उनके बेटे से जुड़े दो पैन कार्ड व पासपोर्ट समेत चार मामलों में बीते दिनों कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई अलग-अलग तारीखों में होगी। अब्दुल्ला आजम पर दर्ज दो पैन कार्ड और पासपोर्ट मामले में बीते बुधवार को सुनवाई होनी थी।

यूपी की राजनीति में जल्द सक्रिय होंगे आकाश

» बिहार चुनाव में रणनीति के तहत सौंपी गई कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पार्टी में वापसी के बाद बसपा के चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने भले ही बिहार से अपनी दूसरी पारी का आगाज किया है, पर उनके सियासी कौशल की असल परीक्षा यूपी में होगी। माना जा रहा है कि पार्टी सुप्रीमो मायावती सोची-समझी रणनीति के तहत भतीजे आकाश को बिहार के रास्ते यूपी की सियासत के लिए तैयार कर रही हैं।

पटना के कार्यक्रम में जिस प्रकार बसपा सुप्रीमो ने आकाश को रिलॉन्च किया है, उससे स्पष्ट है कि जल्द ही आकाश के सियासी सफर को यूपी में भी रफ्तार देने की तैयारी है। बिहार में विस चुनाव में अब चंद महीने ही बचे हैं। बसपा सुप्रीमो ने आकाश को बिहार के सियासी मैदान में उतारकर एक बड़ा लक्ष्य दिया है। उन्हें जातियों को जोड़कर फिर से भाईचारा बनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके जरिये मतदाताओं के बीच आकाश को एक परिपक्व नेता के रूप में पेश करने की भी कोशिश है। बसपा सुप्रीमो अगले साल होने वाले पंचायत चुनाव में भी आकाश को यूपी के सियासी मैदान में लॉन्च कर सकती है। मायावती ने आकाश को बिहारी के सियासी पिच पर यूं ही नहीं उतारा है। इसके जरिये वे आकाश की भाषण शैली और उनके प्रति समर्थकों के रुझान का भी आकलन करना चाहती हैं, ताकि आकाश की आगे की सियासी राह की रूपरेखा तय की जा सके।

कसौटी पर खरा उतरने के लिए प्रयासरत

सूत्रों का कहना है कि बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों की पूरी कमान देकर मायावती ने आकाश के लिए एक बड़ा मैदान दे दिया है, ताकि यूपी के सियासी मैदान में उतरने पर उन्हें कोई दिक्कत न हो। वहीं, आकाश ने भी बिहार के कार्यक्रम में जिस आक्रामक शैली में सीएम नीतीश कुमार की सरकार पर सियासी हमला बोला है। उससे साफ है कि आकाश भी बसपा सुप्रीमो की कसौटी पर खरा उतरने की पूरी कोशिश में जुटे हैं। दरअसल दोबारा वापसी के बाद अब आकाश भी चाहते हैं कि पार्टी सुप्रीमो के सामने वह खुद को साबित कर सकें, इसलिए वह इस बार अपने भाषण पर विशेष ध्यान दे रहे हैं और मायावती की तर्ज पर ही अपने वोट बैंक के बीच बसपा के प्रति विश्वास जगाने की कोशिश कर रहे हैं।

आलाकमान से परेशान हैं अशोक गहलोत : मदन

» कांग्रेस के बयानों पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का तीखा प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर बड़ा राजनीतिक हमला बोलते हुए कांग्रेस में गहराते आंतरिक मतभेदों को उजागर किया है। मदन राठौड़ ने कहा कि अशोक गहलोत इन दिनों अपने ही आलाकमान से खासे परेशान हैं, क्योंकि आलाकमान अब गहलोत के विरोधी माने जाने वाले सचिन पायलट को तरजीह दे रहा है।

यह बदलाव गहलोत के राजनीतिक प्रभाव को कमजोर कर रहा है। राठौड़ ने कहा- अशोक गहलोत को अब यह डर सता रहा है कि यदि पार्टी आलाकमान ने सचिन पायलट को ही राजस्थान का भविष्य मान लिया तो उनकी राजनीति लगभग खत्म मानी जाएगी। इसी भय के चलते वे किसी भी हद तक जाकर बयानबाजी कर रहे हैं, ताकि आलाकमान की नजरों में खुद को जिंदा रख सकें। भाजपा नेता ने चुटकी लेते हुए कहा कि गहलोत को दूसरों के घर में झांकने से पहले अपना घर देखना चाहिए। अगर वे अपने संगठन और पार्टी के भीतर झांकेंगे तो उन्हें खुद समझ में आ जाएगा कि असली हालात क्या हैं।

यूडीएफ की जीत के बाद केरल में बदलेगी सियासत

भाजपा व माकपा ने भी सुधार करने के संकेत दिए

नीलांबुर उपचुनाव में जीत को 2026 में वापसी की दिशा में पहला कदम बताया

» सत्तारूढ़ वाम मोर्चा ने कांग्रेस-नीत गठबंधन पर सांप्रदायिक मतों के सहारे जीत हासिल करने का आरोप लगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल की नीलांबुर विधानसभा सीट पर अपनी निर्णायक जीत से उत्साहित विपक्षी यूडीएफ ने इसे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में वापसी की दिशा में पहला कदम बताया, जबकि राज्य में सत्तारूढ़ वाम मोर्चा ने कांग्रेस-नीत गठबंधन पर सांप्रदायिक मतों के सहारे जीत हासिल करने का आरोप लगाया।

संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) नेतृत्व ने नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में अपने उम्मीदवार आर्यदान शौकत की सफलता का श्रेय मजबूत सामूहिक प्रयास और नेताओं एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय को दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व रक्षा मंत्री ए. के. एंटनी सहित यूडीएफ के सभी प्रमुख नेताओं ने कहा कि शौकत की जीत राज्य में व्याप्त मजबूत सत्ता-विरोधी लहर का प्रतिबिंब है।

राज्य मे विजयन सरकार का बने रहना केवल तकनीकी रह गया : एंटनी

कांग्रेस नेता एंटनी ने कहा कि नीलांबुर में यूडीएफ की जीत के साथ, राज्य में विजयन सरकार का बने रहना केवल तकनीकी रह गया है। उन्होंने कहा, नीलांबुर में यूडीएफ की जीत के साथ प्रशासन में बदलाव पहले ही हो चुका है। वर्तमान राज्य सरकार अब सिर्फ कार्यवाहक सरकार है।

हमारे चुनावी रणनीतियां और प्रचार अभियान जीत की वास्तुकार : सतीशन

विधानसभा मे विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कोच्चि मेक्हा कि नीलांबुर केमतदाताओं ने अपना वोट केरल केलोगो की ओर से दिया है। सतीशन को यूडीएफकी चुनावी रणनीतियो और प्रचार अभियानो का वास्तुकार माना जाता है। उन्होने कहा कियूडीएफ पिछले विधानसभा चुनाव मे यह निर्वाचन क्षेत्र मात्र 2,700 मतो से हारा था और इस बार उसने इसे 11,000 से अधिकमतो के अंतर से जीता है। उन्होने कहा, नीलांबुर मे जी टीम यूडीएफकी कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। उन्होने कहा किअगले विधानसभा चुनाव मे मोर्चा 100 से अधिकसीट केसाथ सत्ता मे वापसी करेगा और वर्तमान जीत इस दिशा मे पहला कदम है। सतीशन ने निर्वाचन क्षेत्र मे सभी स्थानीय निकायो मे यूडीएफको मिली बढ़त का हवाला देते हुए कहा किनीलांबुर मे यूडीएफकेराजनीतिकवोट आधार को कोई भी नही छू सकता है। विपक्ष केनेता सतीशन ने कहा, सभी वर्गों केलोगो ने यूडीएफको वोट दिया है। नीलांबुर मे उपचुनाव मे एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) और यूडीएफकेबीच राजनीतिकमुकाबला देखा गया। उपचुनाव मेअनवर प्रभावकेबारे मे पूछे जाने पर सतीशन ने कोई सीधा जवाब नही दिया। पी वी अनवर दो बार केविधायकहै और निर्दलीय उम्मीदवार थे। अनवर ने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा करते हुए आरोप लगाया था किवह सतीशन ही थे, जिन्होने उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को यूडीएफमे शामिल होने से रोका था। अनवर केकांग्रेस-नीत मोर्चे मे शामिल होने से शौक्त का वोट और अधिकहो सक्ता था, उन्होने कहा कियह कोई व्यक्तिगत निर्णय नही था, बल्कि संपूर्ण यूडीएफनेतृत्व द्वारा लिया गया सामूहिकनिर्णय था। यूडीएफ और एलडीएफ दोनो को आश्चर्यचकित करते हुए, निर्दलीय उम्मीदवार एवं अब तृणमूल कांग्रेस केप्रदेश संयोजकअनवर ने उपचुनाव मे 19,760 वोट हासिल किए।

भाजपा का आधार वोट स्थिर रहा : राजीव चंद्रशेखर

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केप्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार मोहन जॉर्ज की उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रशंसा की। उन्होने कहा, जब चुनाव परिणाम सामने आए, तो निर्वाचन क्षेत्र मे भाजपा का आधार वोट स्थिर रहा। हालांकि उपचुनावो मे वोट मे गिरावट आती है, लेकिन नीलांबुर मे हमारे वोट प्रतिशत मे वृद्धि भाजपा के प्रचार अभियान की सफलता को दर्शाती है। उन्होने दावा किया कि भाजपा इस उपचुनाव मे अपने वोट की संख्या बढ़ाने वाली एकमात्र पार्टी थी। चंद्रशेखर ने एक बयान मे यह भी आरोप लगाया कि नीलांबुर उपचुनाव मे यूडीएफ की जीत जमात-ए-इस्लामी सहित इस्लामी चरमपंथी संगठनो की है।उन्होने कहा, नीलांबुर मे वोट हासिल करने केलिए दोनो मोर्चों द्वारा की जा रही मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति आने वाले दिनो मे लोगो के सामने उजागर हो जाएगी।

ज्यादा संख्या में मिले वोट वाले को नजरअंदाज करना मुश्किल : जोसेफ

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख सनी जोसेफ ने कहा कि जिस व्यक्ति को इतनी उल्लेखनीय संख्या मे वोट मिले हो, उसे नजरअंदाज नही किया जा सकता। जोसेफ ने हालांकि इस सवाल का सीधे तौर पर जवाब नही दिया कि क्या अनवर को यूडीएफ मे शामिल किया जाएगा, लेकिन कहा कि राजनीति मे कोई भी दरवाजा स्थाई रूप से बंद नही होता और यहां तक कि बंद दरवाजे भी खोले जा सकते है। जहां कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शौकत की जीत को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के कुशासन के खिलाफ जनता का फैसला बताया, वही यूडीएफ के वरिष्ठ नेता पी के कुन्हालीकुट्टी और रमेश चेन्निथला ने कहा कि यह सत्ता विरोधी लहरै का सबूत है।

शशि थरूर और कांग्रेस के बीच घमासान जारी

» थरूर के रहस्यमयी पोस्ट पर कांग्रेस का जोरदार तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाज, गिद्ध.. आजादी मुफ्त में नहीं मिलती

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर और पार्टी के बीच अनबन की खबरें अभी थम नहीं रही हैं। बता दें ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारत सरकार द्वारा विदेश भेजे जाने वाले संसदीय दल में पूर्व विदेश मंत्री को चुने जाने के बाद से ही कांग्रेस थरूर पर तो नाराज है ही वह भाजपा पर भी आगबबूला है। खरगे से लेकर जयराम रमेश तक शशी थरूर पर निशाना साध रहे है हैं। अब कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने थरूर पर तंज कसा है।

उन्होंने कहा कि आजाद पंछी को भी आसमान पर नजर रखनी चाहिए।इससे पहले थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट डाला था, जिसमें लिखा था, उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं। माना जा रहा है कि थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी पर जवाब दिया था, जिसमें उन्होंने उनपर पीएम मोदी को लेकर कटाक्ष किया था।

थरूर पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया के कई देशों में भारत का पक्ष रख आए हैं। कांग्रेस ने पहले तो सरकार को पूरा समर्थन दिया था। लेकिन, बाद में सरकार से इसको लेकर तरह-तरह के सवाल पूछने लगी। कांग्रेस ने पूछा कि युद्धविराम क्यों किया गया, इसमें अमेरिका की क्या भूमिका थी और हमारे कितने फाइटर जेट पाकिस्तान ने मार गिराए। ऐसे में थरूर के बयानों से कांग्रेस नेतृत्व बुरी तरह से बिफरा हुआ है। जबकि, सरकार ने थरूर को विदेश में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजे गए बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करने के लिए भी चुना। इससे भी कांग्रेस में नाराजगी है। कांग्रेस ने थरूर के अनुभव के बावजूद उनका नाम आगे नहीं बढ़ाया था। थरूर जब विदेश दौरे पर थे, तब भी कांग्रेस नेताओं ने उन पर तंज कसे। इस पर थरूर ने कहा कि उनके पास इन बातों के लिए समय नहीं है।

आजाद पंछी को भी आसमान में देखना होता है : थरूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करने पर मल्लिकार्जुन खरगे ने थरूर से तीखे शब्दों में असहमति जताई थी। इसके बाद शशि थरूर ने एक पक्षी की फोटो पोस्ट की। उन्होंने लिखा, उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पंख तुम्हारे हैं और आसमान पर किसी का हक नहीं है। इसे कांग्रेस में उनके विरोधियों को जवाब माना गया। इसकी प्रतिक्रिया में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने एक पोस्ट डाली है। टैगोर को पार्टी आलाकमान का करीबी माना जाता है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, उड़ने के लिए इजाजत मत मांगो। पक्षियों को उड़ने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं होती लेकिन आजाद पंछी को भी आसमान में देखना होता है। बाज, गिद्ध और ईगल हमेशा शिकार करते रहते हैं। आजादी मुफ्त नहीं मिलती, खासकर जब शिकारी देशभक्ति का चोला पहन लें।

शिकारी पक्षियों की तस्वीर दिखाकर थरूर पर तंज

टैगोर की पोस्ट में छह शिकारी पक्षियों की तस्वीरें हैं। इनमें बाल्ड ईगल, रेड-टेल्ड हॉक, ऑस्प्रे, अमेरिकन केस्ट्रेल, टर्की वल्चर और ग्रेट हॉर्न्ड आउल शामिल हैं। टैगोर की शिकारी वाली बात सीधे थरूर पर निशाना साधती हुई लग रही है। हालांकि, थरूर ने बीजेपी में जाने वाली अटकलों को गलत बताया है। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सिर्फ भारत की विदेश नीति की सफलता के बारे में लेख लिखा था। यह सफलता भारत को पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिली।

खरगे ने भी साधा था निशाना

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी बुधवार को थरूर पर निशाना साधा। खरगे ने कहा, मुझे अंग्रेजी ठीक से नहीं आती। उनकी (थरूर) भाषा बहुत अच्छी है। इसलिए हमने उन्हें कांग्रेस वर्किंग कमेटी का सदस्य बनाया है।उन्होंने आगे कहा कि पहलगाम हमले के बाद पूरा विपक्ष सेना के साथ खड़ा था। वे बोले, हमने कहा कि देश पहले है, पार्टी बाद में। कुछ लोगों को लगता है मोदी पहले, देश बाद में। हम क्या कर सकते हैं?

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मंदी का असर, अमीरों ने पकड़ी विदेशी डगर

दुनिया भर के दौलतमंद लोग अपने-अपने देशों को छोड़र उन देशों में बसने की योजना बना रहे हैं जहां टैक्स का बोझ कम है, राजनीतिक स्थिरता है और जीवन की ऊंची गुणवत्ता है। हेनली एंड पार्टनर्स की ताजा रिपोर्ट में सामने आया यह तथ्य न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है।

पूरी दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आर्थिक नीतियों का गलत प्रभाव दिखने लगा है। वर्तमान में जिस तरह से अमेरिका की टैरिफ नीतियां आ रही है वह चीन, भारत समेत कई देशों को नुकसान पहुंचा रही हैं। इसका असर यह हो रहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में चिंताजनक संकेत दिखाई देने लगे हैं। दुनिया भर के दौलतमंद लोग अपने-अपने देशों को छोड़र उन देशों में बसने की योजना बना रहे हैं जहां टैक्स का बोझ कम है, राजनीतिक स्थिरता है और जीवन की ऊंची गुणवत्ता है। हेनली एंड पार्टनर्स की ताजा रिपोर्ट में सामने आया यह तथ्य न केवल भारत, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चिंताजनक संकेत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल करीब 1.42 लाख मिलियनेयर अन्य देशों में बसने जा रहे हैं, और 2026 तक यह संख्या 1.65 लाख तक पहुंच सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भारत से भी 3,500 उच्च नेटवर्थ वाले लोगों के बाहर जाने की संभावना जताई गई है। देखने में आ रहा है कि करीब 1.42 लाख मिलियनेयर अन्य देशों में बसने जा रहे हैं, और 2026 तक यह संख्या 1.65 लाख तक पहुंच सकती है। चिंताजनक तथ्य यह भी है कि भारत से भी 3,500 उच्च नेटवर्थ वाले लोगों के बाहर जाने की संभावना जताई गई है।

आर्थिक दृष्टि से समृद्ध लोगों का इस तरह से पलायन की कोई एक वजह हो ऐसा नहीं है। कई बार निवेश के अनुकूल माहौल नहीं मिलने की वजह से भी ऐसे लोग दूसरे देश का रुख करते हैं। देखा जाए तो इस तरह का पलायन किसी भी देश के लिए केवल आर्थिक नुकसान नहीं है, बल्कि प्रतिभा, निवेश और सामाजिक पूंजी का क्षरण भी है। इसलिए यह विषय सचमुच विचारणीय है कि आखिर कोई व्यक्ति, जिसने यहीं से संपत्ति बनाई, टैक्स दिया और प्रतिष्ठा हासिल की, अब किसी और देश को अपना स्थायी निवास बना लेना चाहता है। वस्तुत: यूएई जैसे देश जहां इनकम टैक्स नहीं है, गोल्डन वीजा जैसी योजनाएं हैं, और जहां राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिरता है, दुनिया भर के अमीरों के लिए चुंबक की तरह काम कर रहे हैं। अमरीका की ईबी-5 वीजा स्कीम भी इसी दिशा में बड़ा आकर्षण है। यह प्रवृत्ति दिखाती है कि दुनिया में केवल तकनीकी प्रतिभाओं के लिए ही नहीं, बल्कि दौलतमंदों को आकर्षित करने की दौड़ में भी देशों में प्रतिस्पर्धा होने लगी है। इस प्रवृत्ति को केवल माइग्रेशन तक ही मान लेना गलत होगा। यह एक प्लान बी भी है, जहां अमीर लोग संभावित जोखिमों, जैसे राजनीतिक अस्थिरता, टैक्स बढ़ोतरी या आर्थिक अनिश्चितता के खिलाफ खुद को सुरक्षित करने के विकल्प खोज रहे हैं। भारत जैसे देशों के लिए यह समय आत्मनिरीक्षण का है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सलबेगा के बगैर पूरी नहीं होती पुरी की रथ यात्रा

पंकज चतुर्वेदी

श्री जगन्नाथ पुरी में मंदिर से रथ चला गुंडेचा मंदिर की तरफ लेकिन रास्ते में एक ही जगह वह रुकता है, वह है भक्त सलबेगा की मजार, जगन्नाथ का मुस्लिम अनन्य भक्त। ओडिसी नृत्य हो या शास्त्रीय गायन या दूरस्थ अंचल की कोई धार्मिक सभा, सलबेगा द्वारा रचित भजन के बगैर उसे अधूरा ही माना जाता है। भगवान जगन्नाथ के भक्त सलबेगा को ओडिया भक्ति संप्रदाय में विशिष्ट स्थान मिला हुआ है। कह सकते हैं कि वे अपने दौर के क्रांतिकारी रचनाकार थे जो इस्लाम को भी मानते थे और प्रभु जगन्नाथ को भी शीश नवाते थे। भक्त सलबेगा की एक प्रसिद्ध रचना आज भी सभी धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में सस्वर गाई जानी लगभग अनिवार्य मानी जाती है। सलबेगा के प्रारम्भिक जीवन के बारे में तथ्यों से अधिक किंवदंतियां चर्चित हैं। भक्त सलबेगा 17वीं शताब्दी की शुरुआत के एक ओडिया भाषा के धार्मिक कवि थे।

उनका जन्म मुगल सेना के मुस्लिम योद्धा लालबेगा के यहां हुआ। उन दिनों मुगल हमेशा श्रीमंदिर को गिराने के लिए कब्जा करने की कोशिश कर रहे थे। एक बार जब मुगल योद्धा लालबेग, पुरी के डंडा मुकुंदपुर इलाके के पास पुरी से लौट रहे थे, तो उन्होंने एक सुंदर युवा ब्राह्मण विधवा को स्नान घाट से लौटते हुए पाया। उसने महिला का अपहरण कर लिया और अंत में मजबूरी में उससे शादी कर ली, जो बाद में फातिमा बीवी के नाम से जानी जाने लगी। सलबेगा फातिमा बीवी और लालबेगा के पुत्र थे। बचपन से ही उन्होंने अपनी मां से भगवान जगन्नाथ, भगवान कृष्ण और भगवान राम के बारे में सुना। वह उनकी ओर आकर्षित हो गया। वह उनकी भक्ति करता, उन पर गीत लिखता। फातिमा बीवी की मृत्यु के समय भक्त सलबेगा एक बच्चा था। एक बार वह एक गंभीर बीमारी से ग्रसित हो गया और सभी वैद्य-हकीमों ने उम्मीद छोड़ दी कि भक्त सलबेगा जीवित नहीं रह सकता। एक दिन जब वह बिस्तर पर था तो उसने भजन सुना और सोचा कि महान भगवान जगन्नाथ जो कि दुनिया के भगवान हैं, मुझे ठीक करने में सक्षम होंगे। सलबेगा भगवान जगन्नाथजी की भक्ति में इतना खो गया था कि वो दिन-रात पूजा-अर्चना और भक्ति करने लगा।

इसी भक्ति और पूजा-अर्चना के चलते सलबेगा को मानसिक शांति और जीवन जीने की शक्ति मिलने लगी। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा को मंदिर में प्रवेश नहीं मिलता। वह मंदिर के बाहर ही बैठकर भगवान की भक्ति करने लगता। ऐसा माना जाता है कि भगवान जगन्नाथ जी उसे सपने में आकर दर्शन दिया करते।

भगवान उसे सपने में आकर घाव पर लगाने के लिए भभूत देते और सलबेगा सपने में ही उस भभूत को अपने माथे पर लगा लेता। उसके लिए हैरान करने वाली बात यह थी कि उसके माथे का घाव सचमुच में ठीक हो गया था। मुस्लिम होने के कारण सलबेगा कभी भी भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन नहीं कर पाया और उसकी मृत्यु हो गई। अपनी मृत्यु से पहले सलबेगा ने कहा था, 'यदि मेरी भक्ति में सच्चाई है तो मेरे प्रभु मेरी मजार पर जरूर आएंगे।' मृत्यु के बाद सलबेगा की मजार जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर के रास्ते में बनाई गई थी। इसके कुछ महीने बाद जब जगन्नाथजी की रथयात्रा निकली तो सलबेगा की मजार के पास आकर भगवान का रथ रुक गया और लाख कोशिशों के बाद भी रथ इंच भर भी आगे नहीं बढ़ा। तभी पुरोहितों और राजा ने सलबेगा की सारी सच्चाई जानी और भक्त सलबेगा के नाम के जयकारे लगाए। जयकारे लगाने के बाद रथ चलने लगा। बस तभी से हर साल मौसी के घर जाते समय जगन्नाथजी का रथ सलबेगा की मजार पर कुछ समय के लिए रोका जाता है। भक्त सलबेगा के बनाए भजन, आज भी लोगों को याद हैं। भक्त सलबेगा सारा जीवन मंदिर के बाहर बैठकर ही भगवान जगन्नाथ जी के दर्शन की आस लगाए रहा। प्रभु का नाम जपता और उनके भजन लिखता। धीरे-धीरे उसके भजन अन्य भक्तों की जुबान पर भी चढ़ने लगे। यह है भारतीय अध्यात्म व भारतीय संस्कृति की ताकत, जिसके सामने धर्म, संप्रदाय की दीवारें भी कभी बाधक नहीं बन सकीं, न तो प्राचीन काल में, न ही आज भी। सलबेला द्वारा रचित गीतों के साथ कहानियां भी हैं, एक बार सलबेगा वृंदावन में थे और रथ यात्रा के दिन आ गए। उन्हें लगा कि बहुदा जात्रा के समय उनका पहुंचना मुश्किल हैं। उन्होंने गीत लिखा— जगबंधु है गौसाईं, तुमभा श्रीचरन बिणु, अन्य गति नाहीं। और भगवान का रथ थम गया, जब तक सलबेगा पहुंच नहीं गया।

सलबेगा की रचनाओं में भगवान जगन्नाथ के स्तुति के साथ साथ कृष्ण - कविता, चौपड़ी और भजन की विधा में हैं और उनमें और राम, ब्राह्मणजन और शक्ति व शिव की आराधना का भी आख्यान है । उनकी कम से कम 120 रचनाएं पुरानी ताड़ के पत्तों की पांडुलिपियों के साथ-साथ ओडिशा की सड़कों पर भिखारियों द्वारा गाए जाने वाले गीतों से भी मिली हैं। बांग्ला आलोचक सुकुमार सेन की पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ ब्रिज बोली लिट्रेचर' में सलबेगा को उड़िया के साथ-साथ हिन्दी और बंगला में गीत लिखने वाले के रूप में उल्लेखित किया गया है।

आम प्रकृति नहीं स्त्री का हिंसक प्रतिरोध

प्रमोद जोशी

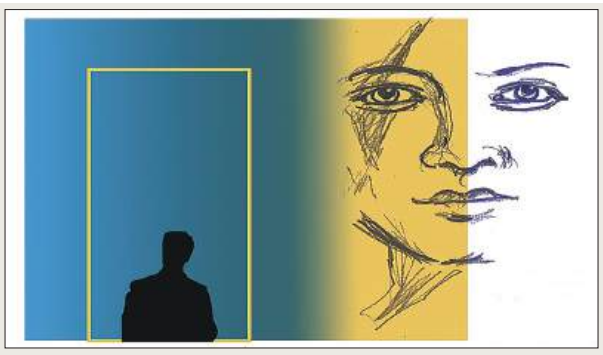

मेघालय में हाल में हुए हनीमून हत्याकांड के बाद से अचानक ऐसी खबरों की भरमार मीडिया में हो गई है, जिनमें मानवीय और पारिवारिक रिश्तों को लेकर कुछ परंपरागत धारणाएं टूटती दिखाई पड़ रही हैं। खासतौर से अपराध में स्त्रियों की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर तथाकथित 'घातक पत्नियों' के मीम्स और मज़ाक की बाढ़ आ गई है। सोनम रघुवंशी और राजा रघुवंशी मामला अभी विवेचना के दायरे में है, इसलिए उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं, पर उसके आगे-पीछे की खबरें इस बात का संकेत तो कर ही रही हैं कि हमारे बीच कुछ टूट रहा है। आप पूछेंगे कि क्या टूट रहा है? एक नहीं अनेक चीजें टूट रही हैं। घर-परिवार टूट रहे हैं, रिश्ते टूट रहे हैं, विश्वास टूट रहा है, भावनाएं टूट रही हैं और वर्जनाओं-नैतिकता की सीमाएं टूट रही हैं। इस दौरान जो मामले सामने आए हैं उनमें प्रेम, विश्वासघात और मानवीय रिश्तों के अंधेरे पक्ष को लेकर सवाल उठे हैं।

इन सभी प्रसंगों से इस बात पर रोशनी पड़ती है कि मानवीय भावनाएं, खास तौर पर प्रेम और वासना, कितनी जटिल और विनाशकारी हो सकती हैं। किस हद तक व्यक्ति जुनून और विश्वासघात से प्रेरित हो सकता है। यह उस अंधेरे को भी सामने लाता है जो प्रेमपूर्ण रिश्तों में मौजूद हो सकता है और कैसे प्रेम का विनाशकारी रूप सामने आ सकता है। पहले इन सुर्खियों पर निगाह डालें। एक लिव-इन पार्टनर ने अपनी प्रेमिका की हत्या कर खुद भी आत्महत्या कर ली। दूसरी खबर है, लिव-इन में रह रही युवती की हत्या, प्रेमी फरार। संपत्ति विवाद में पत्नी ने बेटे की मदद से पति को तकिए से मुंह दबाकर मार डाला। राजस्थान में प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या। पारिवारिक झगड़े में पति ने अपनी पत्नी को गोली मार दी और फिर खुद को भी गोली मार ली। एक घटना किसी दूसरी घटना का प्रेरणास्रोत बनती है। तेलंगाना में एक हत्या की जांच से पता लगा कि मेघालय के अंदाज में हत्या की योजना बनाई गई, जिसमें बाहर से लाए गए हत्यारों की भूमिका होती। बाद में इसे टाल दिया और दूसरा रास्ता अपनाया गया। इन सभी घटनाओं की पृष्ठभूमि एक जैसी नहीं है, पर सबमें पति, पत्नी, प्रेमी या प्रेमिका के प्रति विश्वासघात शामिल है।

विश्वासघात के भी अलग-अलग कारण और ढंग हैं। इनमें किसी दूसरे प्रेमी या प्रेमिका, संपत्ति, ईर्ष्या या अचानक पैदा हुए आवेश की भूमिका है। हालांकि, हमारे पास इसे साबित करने वाला डेटा नहीं है, पर ऐसा लगता है कि स्त्रियों के व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है। वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, तो आपराधिक प्रवृत्तियों में भी शामिल होने लगी हैं। स्त्रियों की परंपरागत छवि में जो बदलाव आ रहा है, उसमें शायद यह भी एक मोड़ है। बहरहाल, यह सामाजिक रिश्तों और मानसिक-प्रवृत्तियों के शोध का विषय है। पारिवारिक हिंसा समाज-शास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, फोरेंसिक और चिकित्सा दृष्टिकोण से एक प्रमुख सार्वजनिक चिंता का विषय है। हत्या के अपराध, इसकी व्यापकता और इसे अंजाम देने के तरीकों का अवलोकन कुछ निष्कर्षों की ओर ले जाएगा, इसलिए इसकी निवारक रणनीतियों पर हमें विचार करना चाहिए।

विवाह-हत्या सामान्य रूप से हत्याओं का एक प्रासंगिक हिस्सा है। यह अभी तक पश्चिमी समाज की समस्या मानी जाती थी, पर धीरे-धीरे यह हमारे जीवन में भी प्रवेश करेगी। निराशा, शराब का सेवन, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक-आर्थिक कठिनाइयां पारिवारिक दुर्व्यवहार के कुछ पूर्वानुमानित कारक हैं, जो पारिवारिक विघटन, हिंसक व्यवहार और अंतत: विवाह-हत्या का कारण बनते हैं। पिछले तीन दशकों में टीवी सीरियलों और ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर स्त्रियों की नकारात्मक छवि का असर भी हमारे जीवन पर है। कुछ धारावाहिकों में, महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर दिखाया जाता है। कुछ में उन्हें घरेलू हिंसा और उत्पीड़न का शिकार दिखाया जाता है। मजबूत, स्वतंत्र और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला-पात्र, लड़कियों के आदर्श होने चाहिए। ऐसी महिलाएं हमारे बीच हैं भी, पर अय्याश, धोखेबाज़, क्रूर, साज़िशकार और विवाहेतर संबंधों में यकीन करने वाले स्त्री पात्रों को मनोरंजन माध्यमों ने भरपूर परोसा है। यह ज़मीनी-सच भले ही नहीं है, पर इसने सामाजिक-जीवन को प्रभावित जरूर किया है। ऊपर की घटनाओं में कुछ स्त्रियां अपराधी की भूमिका में नज़र आती हैं, पर हमारे यहां स्त्रियां सबसे ज्यादा अपराधों की शिकार होती हैं।

छत्तीसगढ़ से प्राप्त 23 जून की एक खबर है कि पिछले 115 दिनों में राज्य में 30 महिलाओं की उनके पतियों ने हत्या कर दी। यानी के हर चार दिन में एक हत्या। हाल में अमेरिकी विदेश विभाग ने भारत की यात्रा पर आने वाले अपने नागरिकों के लिए लेवल-2 की यात्रा चेतावनी जारी की है। इसमें कहा गया है कि 'बलात्कार अभी भारत में सबसे तेजी से बढ़ते अपराधों में से एक है। यहां सेक्सुअल असॉल्ट समेत हिंसक अपराध टूरिस्ट स्पॉट और दूसरे स्थानों पर होते हैं।' भारत की सामान्य स्त्री असुरक्षा से पीड़ित रहती है। अत्यधिक असुरक्षा भी कई बार उनसे हत्या जैसा अपराध करवा सकती है। पर अचानक स्त्रियों की हत्यारी छवि बनने लगी है, जो खतरनाक बात है। संभव है कि कुछ स्त्रियां किसी अपराध की साजिश में दिखाई पड़ें, पर यह कम से कम हमारे समाज की आम प्रवृत्ति नहीं है। हमारे समाज में सामाजिक विघटन को रोकने और परिवारों को बचाए और बनाए रखने में स्त्रियों की सबसे बड़ी भूमिका है। ऐसे अपराध पहले भी होते रहे होंगे, पर समाचार-मीडिया के विस्तार ने ऐसी समझ के विस्तार में भी भूमिका अदा की है।

डॉक्टरों का महत्व और भूमिका

समाज में डॉक्टरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, वे अपना जीवन मरीजों की भलाई के लिए समर्पित करते हैं, बीमारी या स्थिति से तेजी से ठीक होने में सहायता करते हैं और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। वे चिकित्सा विज्ञान को अच्छी तरह समझते हैं और मरीजों की चिकित्सा स्थितियों का इलाज करने और जीवन प्रत्याशा बढ़ाने के लिए अपने ज्ञान को समर्पित करते हैं। कई घटनाओं में मरीजों और उनके रिश्तेदारों द्वारा हमला किए जाने के बावजूद डॉक्टरों ने कभी हार नहीं मानी। आम जनता के लिए अपनी चिकित्सा सेवाएं जारी रखीं। उनके योगदान और अथक प्रयासों को कोई नहीं भूल सकता।

डॉक्टर्स डे का महत्व

देश में डॉक्टर्स डे को पहली बार साल 1991 में मनाया गया था। तभी से हर साल 1 जुलाई को यह मनाया जाता है। यह बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बीसी रॉय के सम्मान में मनाने का फैसला लिया गया। बीसी रॉय एक स्वतंत्रता सेनानी थे। बीसी रॉय को 4 फरवरी 1961 को भारत रत्न से नवाजा गया था। डॉक्टर्स डे क्योंकि बीसी रॉय के सम्मान में मनाया जाता है इसलिए यह खास दिन बीसी रॉय के जन्म तीथी के दिन मनाया जाता है। बीसी रॉय का जन्म 1 जुलाई 1882 को हुआ था। उनका निधन 1 जुलाई 1962 को हुआ था। ऐस में 1 जुलाई डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाने लगा।

डॉक्टर्स डे

ये किसी फरिश्ते से कम नहीं होते

डॉक्टर देश के सैनिक हैं, जो सीमाओं पर नहीं लड़ते बल्कि अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाने और जीवन प्रत्याशा को बेहतर बनाने के लिए समर्पित होकर काम करते हैं। एक मरीज के लिए उसका डॉक्टर किसी फरिश्ता से कम नहीं होता है। कोरोना काल में ने हमने सीखा कि हमारे समाज में डॉक्टर किसी वॉरियर से कम नहीं है। यह सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं बल्कि एक इंसान कि लाइफ लाइन है। देश के सभी डॉक्टर्स के योगदान को ध्यान में रखते हुए साल 1 जुलाई के दिन नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। भारत में 1 जुलाई को डॉ. बिधान चंद्र रॉय की याद में हर साल नेशनल डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया जाता है। इस खास दिन को मनाने के पीछे एक ही कारण है कि देश के सभी डॉक्टर्स जो दिन-रात अपने मरीज की जान बचाने के लिए जुटे रहते हैं उन्हें सम्मानित करना। उन्हें दूसरे के सेवा के लिए प्रेरित करना। डॉक्टर्स के प्रति अपना सम्मान दिखाने के लिए इससे खास दिन और कोई हो नहीं सकता है।

डॉक्टर्स डे का इतिहास

भारत में, राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस पहली बार 01 जुलाई 1991 को डॉ. बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया गया था, ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके योगदान को श्रद्धांजलि दी जा सके। वे 1948 से 1962 तक 14 वर्षों तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री भी रहे। 04 फरवरी 1961 को उन्हें सर्वोच्च भारतीय नागरिक पुरस्कार भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपना जीवन लोगों के लिए समर्पित कर दिया, कई व्यक्तियों का इलाज किया और लाखों लोगों को प्रेरित किया। वे महात्मा गांधी के निजी चिकित्सक भी थे। वर्ष 1976 में उनकी स्मृति में चिकित्सा, विज्ञान, सार्वजनिक मामलों, दर्शन, कला और साहित्य के क्षेत्रों में काम करने वाले प्रतिष्ठित व्यक्ति को मान्यता देने के लिए बीसी रॉय राष्ट्रीय पुरस्कार की स्थापना की गई थी।

इस साल की थीम

डॉक्टर के सम्मान में हर साल इस खास दिन को मनाने के लिए थीम रखी जाती है। इस साल की थीम कुछ अलग है। इस बार राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस 2025 की थीम का नाम रखा गया है मास्क के पीछे: देखभाल करने वालों की देखभाल।

हंसना मना है

पत्रकार- 80 साल की उम्र में भी आप बीवी को डार्लिंग कहते हैं, इस प्यार का राज क्या है? बूढ़ा व्यक्ति- बेटे 20 साल पहले इनका नाम भूल गया था, पूछने की हिम्मत नहीं हुई, इसलिए डार्लिंग कहता हूं...

सास: जमाई राजा अगले जन्म में आप क्या बनोगे? जमाई: सासू मां मैं अगले जन्म में छिपकली बनूंगा। सास: छिपकली क्यूं? जमाई: क्योंकि मेरी बीवी छिपकली से बहुत डरती है।

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था, अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

कहानी | आखिर कर्म ही महान है

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछा: कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुन: बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है। यदि किसान बीमार बैल को छोड़ कर मेरा प्रवचन सुनने को प्राथमिकता देता तो दवा के बगैर बैल के प्राण निकल जाते। उसके बाद तो मेरा प्रवचन देना ही व्यर्थ हो जाता। मेरे प्रवचन का सार यही है कि सब कुछ त्यागकर प्राणी मात्र की रक्षा करो। इस घटना के माध्यम से गांव वालों ने भी उनके प्रवचन का भाव समझ लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। भाइयों से कहासुनी हो सकती है।

वृषभ

कोर्ट व कचहरी में लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पिछले लंबे समय से रुके कार्य बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

मिथुन

भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। शत्रु परास्त होंगे। व्यापार ठीक चलेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह

बेवजह दौड़धूप रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कोई शोक समाचार मिल सकता है। अपेक्षित कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है।

कन्या

सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला

पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। रोजगार प्राप्ति होगी। लाभ लें।

धनु

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। यात्रा में कोई चीज भूलें नहीं। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। लापरवाही न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं।

मकर

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा लाभदायक रहेगी। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी। किसी बड़ी समस्या का हल एकाएक हो सकता है। प्रसन्नता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

मीन

कानूनी सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि होगी। रुके कार्यों में गति आएगी। तंत्र-मंत्र में रुचि बढ़ेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

बॉलीवुड | दोस्ताना

मालिक फिल्म के गाने के लिए हुमा कुरैशी ने नहीं ली फीस

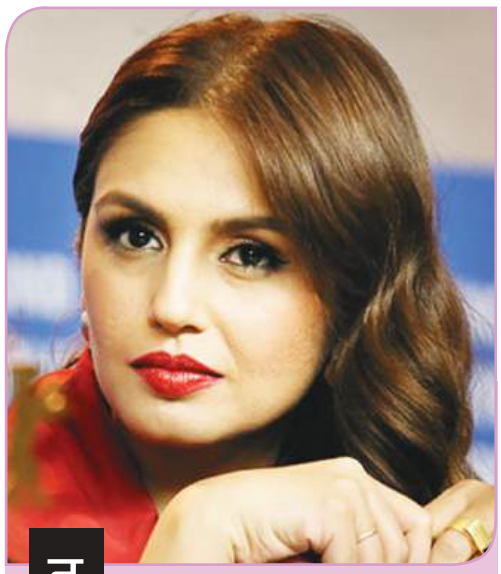

हुमा कुरैशी का नाम उन चुनिंदा एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल किया जाता है, जो हर तरह के किरदार को बखूबी निभाती लेती हैं। सोनाक्षी सिन्हा के साथ दोस्ती को लेकर भी वह सभी का ध्यान खींच लेती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस राजकुमार राव की फिल्म मालिक के एक गाने को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में जानकारी सामने आई थी कि एक्ट्रेस ने इसके लिए कोई फीस चार्ज नहीं की। फाइनली अब उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए वजह से पर्दा उठा दिया है।

हुमा कुरैशी ने खुलासा किया कि ऐसा पहली बार हुआ, जब उन्हें ऑफर किया गया गाना हद से ज्यादा पसंद आ गया। इस वजह से उन्हें सॉन्ग के लिए हां कहना पड़ा। एक्ट्रेस ने बताया कि जब जय शेवक्रमणी ने मेरे लिए यह गाना बजाया, तो मैं पूरी तरह से इसके प्यार में पड़ गई। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना ही है। अभिनेत्री मालिक फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि यह एक महज प्रोजेक्ट नहीं है, बल्किल दोस्तों के बीच एक बड़ा सहयोग है। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा, ईमानदारी से कहूं तो शूटिंग के दौरान ऐसा लगा कि दोस्तों का एख बड़ा समूह साथ आया है। हुमा ने फिल्म के एक सॉन्ग में काम किया है, जो यूट्यूब पर काफी पसंद भी किया जा रहा है। इसके बारे में शुरुआत से कहा गया कि एक्ट्रेस ने इस सॉन्ग के लिए कोई फीस नहीं ली। फाइनली अब उन्होंने उन रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कहा, %दोस्तों से मैं कैसे पैसे ले सकती हूं? सॉन्ग के लिए केवल दो दिन की शूटिंग थी और मुझे लगा कि इसके लिए पैसे लेने जरूरी नहीं है।

कांटा लगा रिमिक्स से रातोंरात स्टार बनीं थीं शेफाली जरीवाला

बिग बॉस सीजन 13 की एक्स कंटेस्टेंट और फेमस एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के अचानक निधन से पूरी इंडस्ट्री शोक में है। बताया जा रहा है कि 42 साल की एक्ट्रेस को बीती रात को कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्होंने पहले ही दम तोड़ दिया था।

शेफाली जरीवाला बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री में काम कर चुकी थीं। उन्होंने मात्र 20 साल की उम्र में म्यूजिक वीडियो से अपना करियर शुरू किया था। उनका पहला गाना था कांटा लगा रिमिक्स था। इस गाने ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। उन्हें

स्मृति शेष

कांटा लगा गर्ल के नाम से जाना जाने लगा। मगर ऐसा क्या था, जब इतनी सफलता मिलने के बावजूद शेफाली जरीवाला ने काम से दूरी बना ली थी और ज्यादा प्रोजेक्ट्स में काम नहीं किया।

इसकी वजह एक बीमारी थी, जिसका खुलासा उन्होंने सालों बाद एक इंटरव्यू में किया था। उन्होंने बताया था कि बीमारी के चलते ही उन्होंने ज्यादा काम नहीं लिया। इसके चलते उनका आत्मविश्वास कम हुआ और वह डिप्रेशन में भी चली गई थीं।

शेफाली जरीवाला ने कहा था, 15 साल की उम्र में मुझे मिर्गी का दौरा पड़ा था। मुझे याद है कि उस समय मैं अपनी पढ़ाई में अच्छा करने के लिए बहुत दबाव में थी। तनाव और चिंता से दौरे पड़ सकते हैं। यह आपस में जुड़ा हुआ है, आपको डिप्रेशन के कारण दौरा पड़ सकता है और भी कई वजह हैं।

कांटा लगा के बाद काम से किया परहेज

शेफाली जरीवाला ने आगे बताया था, मुझे क्लास, बैकस्टेज, सड़कों पर और कहीं भी दौरे पड़ते, जिससे मेरा आत्म-सम्मान कम हो गया। कांटा लगा करने के बाद लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं ज्यादा काम क्यों नहीं करती? अब मैं कह सकती हूं कि मिर्गी के दौरे की वजह से ही मैं ज्यादा काम नहीं कर पाती थी। मुझे नहीं पता था कि मुझे अगला दौरा कब पड़ेगा। यह 15 साल तक चलता रहा।

मैं रवि किशन की फैन हूं, मौका मिला तो बिहार में करूंगी शूटिंग : मल्लिका

मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने न केवल लिट्टी-चोखा खाने की इच्छा जताई, बल्कि कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया- मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। यहां की फेमस डिश लिट्टी-चोखा के साथ कचौड़ी खानी है। मेरी इच्छा है कि सड़क के किनारे जो मिलता है, वही खाऊं, मैंने सुना है, वो टेस्टी होता है।

बिहार की तरक्की देख खुश हुईं मल्लिका शेरावत

राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं।

कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया- मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी।

मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया।

अजब-गजब | आदिवासी शादियों में अनोखी परंपरा

सिंदूरदान से पहले बरसते हैं कोड़े रस्म में छिपा है मधुर संबंध का राज

झारखंड के जाने-माने साहित्यकार और रांची निवासी राबीलाल बताते हैं कि ये काफी हल्के दो-तीन लेयर के कोड़े होते है। जिससे चोट नहीं लगती, यह बस हंसी मजाक के लिए होता है। इस रस्म का उद्देश पक्षों के बीच एक अच्छा रिश्ता कायम करना है। किसी को जोर से नहीं मारा जाता। बस हल्का सा मारा जाता है, लोग इधर-उधर भागते हैं और खुशनुमा माहौल रहता है। यह दोनों पक्ष के बीच के रिश्ता को मजबूत करने का एक छोटा सा हंसी मजाक का रस्म है। इसमें छोटी-छोटी रस्सियों के कोड़े बनाए जाते हैं व एक दूसरे पर बरसाए जाते हैं। ये सारे कोड़े घर पर ही बनाए जाते हैं और उस समय माहौल काफी खुशनुमा और देखने लायक होता है। ऐसे में यह शादी को और भी इंटरेस्टिंग कर देता है।

इस रस्म में परिवार व कुटुंब सारे लोग शामिल होते हैं। ऐसे में यह पूरे के पूरे कुटुंब की एकता की भी मिसाल होती है। जिसमें छोटे से बड़े हर कोई शामिल होता है।

यह रस्म सिंदूरदान के पहले होता है, सिंदूरदान के पहले महिलाएं साल के पत्ते में हल्दी लेकर

छत के ऊपर फेंकती है और उसे सामने वाले को रोकना होता है। रोकने के लिए सब कोड़े मारते है। बारी-बारी से लोग घर के बाहर निकलते हैं और पत्ते में हल्दी लगा छत के ऊपर डालते हैं। देखते ही देखते शादी योदगार बन जाती है। इस रस्म के बाद दूल्हा और दुल्हन को मंडप में बिठाकर सिंदूरदान की रस्म पूरी की जाती है और शादी संपन्न हो

ऐसा शख्स जिसकी मौत पर 21 जंगली हाथी श्रद्धांजलि देने पहुंच गए थे घर

इंसानों और जानवरों का रिश्ता बहुत पुराना है। वैसे भी प्यार से हिंसक जानवरों को भी काबू में किया जा सकता है। आपने बॉलीवुड फिल्म हाथी मेरा साथी देखी होगी। इसमें राजेश खन्ना और हाथियों के बीच का प्यार और वफादारी दिखाई गई है। लेकिन क्या आपको पता है कि रियल लाइफ में भी एक ऐसा शख्स था। उस शख्स को दुनिया एलिफेंट व्हिस्परर्स के नाम से भी जानती है। इस शख्स की कहानी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट की तरह लगती है। शख्स की मौत पर जंगली हाथी कई किमी लगातार पैदल चल कर उसे श्रद्धांजलि देने उसके घर पहुंच गए थे। इस शख्स का नाम लॉरेंस एंथनी था। लॉरेंस एंथनी हाथियों की भाषा समझते थे। लॉरेंस एंथनी को दुनिया एलिफेंट व्हिस्परर्स कहती थी, क्योंकि उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर 21 जंगली हाथियों को बचाया था। ये जंगली हाथी थे बेकाबू थे और इंसानों पर हमला कर चुके थे। लॉरेंस ने ना सिर्फ इन हाथियों को अपनाया, बल्कि उनके साथ गहरा रिश्ता बना लिया। वो धीरे-धीरे उनके परिवार का हिस्सा बन गए। जिन हाथियों को इंसानों पर भरोसा नहीं था, उन्होंने लॉरेंस को दिल से अपना लिया। वे जंगली हाथी लॉरेंस के साथ शांत, सुरक्षित और स्नेही हो गए। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी मपुमालांगा में हाथियों के एक झुंड ने आतंक मचा रखा था। ऐसे में वहां के प्रशासन ने हाथियों को मारने का फैसला किया और हाथियों पर मौत का इनाम घोषित कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के संरक्षणवादी पर्यावरणविद लॉरेंस एंथनी को जब इस बात पता चला तो उन्होंने उनका रेस्क्यू करने का फैसला किया। लेकिन हाथियों को निकालना आसान नहीं था। इसके लिए एंथनी को हाथियों की भाषा सीखनी पड़ी। एंथनी ने हाथियों की भाषा सीख कर उन हाथियों को वहां से निकाला और उन्हें अपने एलिफेंट रिजर्व में जगह दी। 2 मार्च 2012 को 61 साल की उम्र में लॉरेंस एंथनी की हार्ट अटैक से मौत हो गई। तभी कुछ हैरान कर देने वाली घटना हुई। जिन हाथियों को एंथनी ने बचाया था उन्हें एंथनी की मौत का पता चल गया। हालांकि अभी तक यह रहस्य बना हुआ है कि हाथियों को लॉरेंस एंथनी की मौत का पता कैसे चला। इतने किमी दूर जंगल तक उनकी मौत की बात कैसे पहुंची। वे जंगली हाथी कई घंटे लगातार पैदल चलकर लॉरेंस एंथनी को श्रद्धांजलि देने उसके घर पहुंच गए थे।

मोदी जी की सब गारंटियां झूठीं

केजरीवाल बोले- भाजपा और कांग्रेस अमीरों की पार्टी

» दिल्ली में झुग्गियों के तोड़े जाने के विरोध में आप का प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में झुग्गियों के तोड़े जाने के विरोध में भाजपा सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। बता दें आम आदमी पार्टी जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस आयोजन में अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज, आतिशी समेत तमाम बड़े नेता शामिल हुए हैं। इस दौरान केजरीवाल भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, मोदी जी ने लोगों को 'जहां झुग्गी-वहां मकान' की गारंटी दी थी लेकिन उनका मतलब 'जहां झुग्गी-वहां मैदान' था और अब इन्होंने झुग्गियां तोड़कर मैदान बना दिया है। मोदी जी की गारंटी झूठी है। अब आप लोग ध्यान रखना कि कभी भी मोदी जी की झूठी गारंटियों पर भरोसा नहीं करना है।

केजरीवाल ने कहा कि इसी जंतर मंतर से आम आदमी पार्टी ने अपना आंदोलन शुरू किया था। आज फिर से झुग्गियों को बचाने के लिए आप ने अपना आंदोलन शुरू किया है। दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं। यदि भाजपा ने दिल्ली की झुग्गियों को तोड़ना बंद नहीं किया तो रेखा गुप्ता की सरकार पांच साल नहीं चल पाएगी। भाजपा की सरकार ने पांच महीने में दिल्ली की व्यवस्था को बेकार कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के पांच साल के बाद दिल्ली 50 साल पीछे चली जाएगी। दिल्ली में कांग्रेस और भाजपा की सरकार एक जैसा ही काम करती है। दोनों दिल्ली में मिलकर चुनाव लड़ते हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तब भी काफी झुग्गियों को तोड़ा जाता था। भाजपा और कांग्रेस अमीरों की पार्टी है और वह केवल अमीरों के लिए ही काम करती है। जबकि हमारी पार्टी गरीबों की पार्टी है और अपने 10 साल के कार्यकाल में आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के स्कूल ठीक किए, मोहल्ला क्लीनिक बनाएं, बिजली सस्ती की।

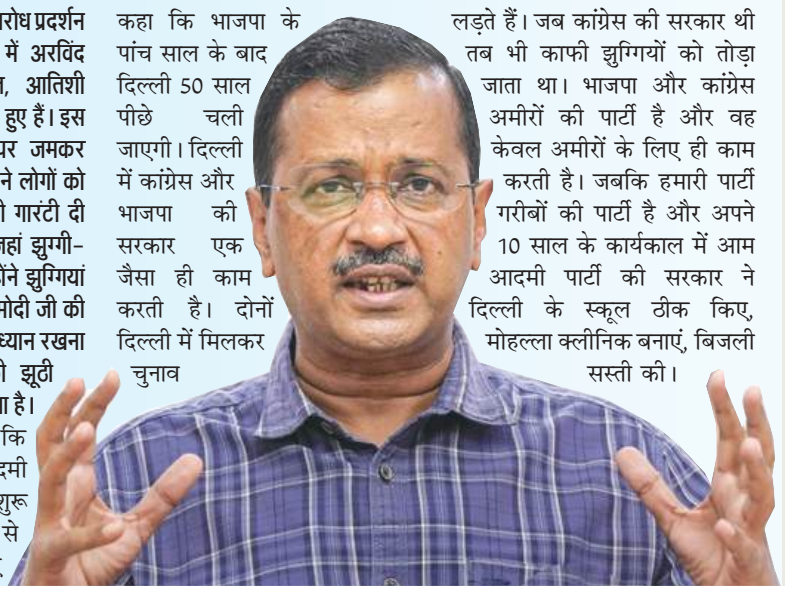

40-50 लाख लोगों को भगाने का प्रयास : भारद्वाज

दिल्ली आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, यदि दिल्ली में 40-50 लाख लोगों को भगाने का प्रयास होगा तो हमारे द्वारा आंदोलन की शुरूआत की गई है। यदि भाजपा की सरकार नहीं मानी तो दिल्ली के 40 लाख लोग सड़कों पर उतरेंगे और जिस दिन 40-50 लाख लोग दिल्ली की सड़कों पर उतर गए, उस दिन रेखा गुप्ता की सरकार तमाम बहुमत के बावजूद गिर जाएगी। उन्होंने आगे कहा, पिछले 5 महीने से दिल्ली के अंदर बुल्डोजर चल रहे हैं, गरीबों के सिर से छत छीनी जा रही है, उनके रोजगार छीने जा रहे हैं। कांग्रेस कहां है? कांग्रेस चुप क्यों है? राहुल गांधी अब तक इन गरीबों के लिए क्यों नहीं आए? इसका मतलब साफ है कि दिल्ली के चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा की मदद की।

जहां झुग्गी वहीं मकान ये हमारी सरकार और पार्टी का संकल्प : कपिल मिश्रा

झुग्गी डेमोलिशन पर दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, आम आदमी पार्टी अपनी हार से हताश है वे फिर से वहीं काम कर रहे हैं जो उन्होंने 10 साल तक किया। उनको अपनी हार से सबक लेना चाहिए। दिल्ली की जनता एक बदलती हुई दिल्ली के साथ खड़ी है। दिल्ली में कोई झुग्गी ना तोड़ी गई है ना तोड़ी जाएगी। जहां झुग्गी वहीं मकान ये हमारी सरकार और पार्टी का संकल्प है। पक्का। मकान झुग्गीवासियों को मिले हम उसके लिए काम कर रहे हैं। जबतक पक्का। मकान उसी जगह पर नहीं मिलता तब तक दिल्ली में किसी भी झुग्गी को नहीं तोड़ा जा रहा है। केजरीवाल का गैंग बार-बार झूठ बोलता है। उसी झूठ के कारण उनको पराजय का सामना करना पड़ा है।

भारत में महिलाओं के प्रति द्वेष रखने वाले पार्टी लाइन से परे : महुआ मोइत्रा

» कोलकाता विधि छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर तृणमूल सांसदों में जुबानी जंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के दो सांसदों कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा के बीच यहां एक विधि महाविद्यालय की छात्रा से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर जुबानी जंग शुरू हो गई है। बनर्जी ने मोइत्रा पर व्यक्तिगत टिप्पणी की है। पश्चिम बंगाल की श्रीरामपुर लोकसभा सीट से सांसद बनर्जी ने दावा किया कि कृष्णानगर की लोकसभा सदस्य मोइत्रा अपने हनीमून के बाद भारत वापस आ गईं और उन पर हमला करना शुरू कर दिया है। ''महुआ मोइत्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए कहा, ''भारत में महिलाओं के प्रति द्वेष रखने वाले पार्टी लाइन से परे हैं। तृणमूल कांग्रेस में जो बात अलग है वह यह है कि हम इन घृणित टिप्पणियों की निंदा करते हैं, चाहे वे कोई भी करे।

बनर्जी कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना पर मोइत्रा के 'महिला विरोधी' आरोप का जवाब दे रहे थे। श्रीरामपुर के सांसद ने आरोप लगाया, उन्होंने महिला विरोधी होने का आरोप लगाया है? वह क्या हैं? उन्होंने 40 साल की शादी तोड़कर 65 साल के व्यक्ति से शादी की, क्या उन्होंने महिला को ठेस नहीं पहुंचाई? देश की महिलाएं इसका फैसला करेंगी। बनर्जी मोइत्रा की बीजू जनता दल के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा से हुई शादी का जिक्र कर रहे थे। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सामूहिक दुष्कर्म मामले पर बनर्जी की पूर्व टिप्पणियों की पार्टी सहित विभिन्न हलकों में तीखी आलोचना हुई।

नगर निगम की लापरवाही! करंट से गई 4 गायों की जान

» क्षेत्र में दहशत का माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जोन-7 (शंकरपुरवा प्रथम, केशव विहार, कल्याणपुर) नगर निगम बिजली विभाग की घोर लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। क्षेत्र में लगे स्ट्रीट लाइट के पोल में करंट उतरने से चार गायों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा शंकरपुरवा प्रथम के केशव विहार में हुआ, जहां टूटे हुए विद्युत तार की चपेट में आकर पोल में करंट आ गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि हादसा तब हुआ जब गायें पोल के पास चर रही थीं। अचानक वे जमीन पर गिर पड़ीं और मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं अमानीगंज में एक बिजली विभाग के संविदा कर्मी की भी मौत करंट लगने से हो गई।

क्षेत्रीय नागरिकों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश और भय व्याप्त है। जानकीपुरम के अधिशाषी अभियंता ने 4पीएम से बात करते हुए अपना बयान में बताया कि जो मुझे मौके पर जांच में आया वो मैंने अपना पक्ष रख दिया माना कि यह हादसा नगर निगम के स्ट्रीट लाइट तार के टूटने से हुआ है, जिससे पोल में करंट उतर गया। वहीं नगर निगम आर आर चीफ का कहना है कि मेरा कोई पोल नहीं है विद्युत के पोल में जो स्ट्रीट लाइट लगी है वो बारिश की वजह से लाइन मेरी बंद थी मेरी कोई भी लाइन नहीं चालू थी स्थानीय निवासियों की मांग है कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। क्षेत्र की स्ट्रीट लाइटों की तुरंत जांच कराई जाए।

जीतू पटवारी के समर्थन में उतरी कांग्रेस

» न्याय की लड़ाई लड़ने वालों पर हो रहा हमला : कांग्रेस

» सीएम हाउस जा रही एनएसयूआई को पुलिस ने किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर को लेकर पूरी कांग्रेस उनके समर्थन में उतर आई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे ने कहा कि यह एफआईआर विपक्ष की आवाज को दबाने का एक राजनीतिक हथकंडा है। जीतू पटवारी ने सिर्फ एक पीड़ित को न्याय दिलाने की कोशिश की थी, लेकिन सत्ता पक्ष ने उनके खिलाफ झूठा केस दर्ज करा दिया।

वहीं कांग्रेस का छात्र संगठन एनएसयूआई हाथों में कागज की तलवार लेकर सड़क पर उतर आए और मुख्यमंत्री कार्यालय जाने की जिद पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक कर हिरासत में ले लिया। इधर भाजपा ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर राजनीतिक नौटंकी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि जिस व्यक्ति ने शुरुआत में अपनी आपबीती बयान की थी। जैसे उसे मल खिलाया गया, बंदूक तानी गई, मोटरसाइकिल छीनी गई। वही अब दबाव में बयान बदल रहा है। 10 जून से लेकर 18 जून तक उसने यही बातें सार्वजनिक रूप से कहीं, लेकिन अब सरकार के दबाव में उसे पीछे हटने पर मजबूर किया गया। कांग्रेस ने कहा कि जब पीड़ित को इंसाफ नहीं मिला, तो उसने आत्महत्या की भी कोशिश की, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने समझाकर उसे रोका। इसके बावजूद प्रशासन ने असली दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं की और अब उल्टा पटवारी पर ही एफआईआर दर्ज कर दी।

छवि बचाने के लिए राज्य को बदनाम कर रही कांग्रेस : आशीष

कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि अपनी खोई हुई साख को वापस पाने के लिए कांग्रेस मध्यप्रदेश की छवि को खराब कर रही है। पटवारी अब राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुके हैं। उन्हें अपने अध्यक्ष पद पर भी विचार करना चाहिए। अग्रवाल ने पीसीसी चीफ की राजनीतिक को अप्रासंगिक बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भोले-भाले युवाओं को बरगलाकर मोटरसाइकिल और अन्य प्रलोभन देकर साजिश रची है। अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस के ही एक अकाउंट से झूठा वीडियो वायरल किया गया और अब वे उसी को सच बताकर मीडिया को भी गुमराह कर रहे हैं।

रोहित-कोहली के क्लब में शामिल हुईं मंधाना

» तीनों प्रारूप में शतक लगाने वाली बनीं पहली भारतीय महिला खिलाड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नॉटिंघम। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले टी20 मुकाबले में शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। मंधाना ने 62 गेंदों पर 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए। मंधाना इसके साथ ही रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे पुरुष भारतीय क्रिकेटरों के क्लब में शामिल हो गई हैं। पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर अब तक छह भारतीय बल्लेबाजों ने ही तीनों प्रारूप में शतक लगाए हैं और अब इसमें मंधाना का नाम भी जुड़ गया है।

इस लिस्ट में सुरेश रैना, कोहली, रोहित, केएल राहुल और शुभमन गिल पहले से ही शामिल हैं। मंधाना नॉटिंघम में खेले गए इस मुकाबले में हरमनप्रीत की अनुपस्थिति में कमान संभाल रही थीं। भारत की नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर अभ्यास मैच के दौरान सिर पर लगी चोट के कारण एहतियात के तौर पर इस मैच में नहीं खेल रही थी जिससे मंधाना यह जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, टेस्ट में उन्होंने 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 127 रन बनाए थे। अब उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में इंग्लैंड के खिलाफ शतक लगाया। महिला क्रिकेट में मंधाना ओवरऑल पांचवीं बल्लेबाज हैं जिन्होंने तीनों प्रारूप में शतक लगाया है।

इंग्लैंड की महिला टीम को मिली दोहरी मार

नई दिल्ली। इंग्लैंड की महिला टीम पर आईसीसी ने भारत के खिलाफ टी20 मैच में धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। एमिरेट्स आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रैफरी की हेलेन पैक ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंकने के बाद इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया। आईसीसी ने रविवार को एक बयान में कहा, खिलाड़ियों और खिलाड़ियों के सहयोगी कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता का अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर गति उल्लंघन से संबंधित है जिसके अनुसार खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी नहीं करने पर प्रत्येक ओवर के लिए मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। वहीं भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को पहले टी20 मैच में 97 रन से हरा दिया।

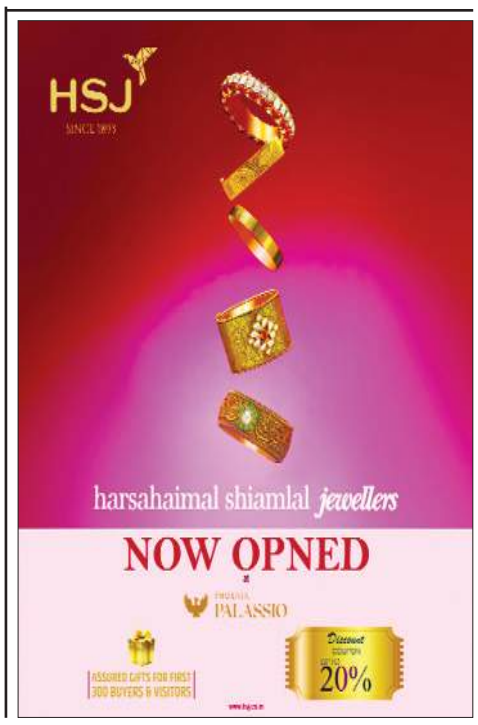

बिहार में दिखने लगी चुनावी बयार

विपक्ष के निशाने पर आई एनडीए सरकार

» राजद, सुराज व कांग्रेस ने शुरू किए राज्य के दौरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में विस सभा चुनाव इसी साल होने वाले हैं। अभी से सियासी पार्टियों ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जहां भाजपा व जदयू नीतीश कुमार के सहारे मैदान पर फिर अपना परचम लहरानें की कोशिश में लगे हुए हैं। वही राजद नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार, सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर समेत सभी युवा नेता रैलियों के माध्यम से जनता में पैठ बनाने की कोशिश करने लगे हैं। वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ इंडिया गठबंधन के नेता पटना के गांधी मैदान एक जुट हुए हैं। मुस्लिम संगठनों की अपील पर विपक्षी नेताओं ने वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की।

भाजपा सत्ता से जा रही है : तेजस्वी

कांग्रेस के वरीय नेता सलामान खुर्दीद, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और पूर्णिया सांसद पप्पू यादव के साथ कई दिग्गज नेता मंच पर पहुंचे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक सरकार के खिलाफ जमकर हमला बोला। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि उत्तर से दक्षिण हिन्दुस्तान का एक-एक इंच और हर पन्ना चीख-चीख कर कह रहा है कि हिन्दू, मुसलमान समेत सभी धर्मों के लोगों ने मिलकर स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान दिया था। सबलोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी दी। यह देश किसी के बाप का नहीं है। यह हमलोगों का देश है। लेकिन, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप सभी का हक छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जा रही है। इसलिए गरीब, दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और अल्पसंख्यकों का हक छीनना चाहती है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निर्वाचन आयोग को बिहार की समस्त मतदाता सूची को निरस्त कर केवल 25 दिन में 1987 से पूर्व के कागजी सबूतों के साथ नई मतदाता सूची बनाने का निर्देश दिया है। चुनावी हार की बौखलाहट में ये लोग अब बिहार और बिहारियों से मतदान का अधिकार छीनने का षड्यंत्र कर रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर ये आपका वोट काटेंगे।

भाजपा संसाधनों का निजीकरण कर रही है : कन्हैया

देश के संविधान पर लगातार हमले हो रहे हैं और सरकार वक्फ बोर्ड से लेकर पिछड़ा व अति पिछड़ा वर्ग के आरक्षण तक को कमजोर करने की कोशिश में जुटी है। ऐसे हालात में जरूरी है कि सभी लोग एकजुट होकर आवाज उठाएं, ताकि

संविधान की मूल भावना को बचाया जा सके। यह बातें कांग्रेस नेता डॉ. कन्हैया कुमार ने 'सामाजिक न्याय संवाद' कार्यक्रम में कही। कन्हैया कुमार ने कहा कि मौजूदा सरकार देश के संसाधनों का निजीकरण कर रही है और उन्हें कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के हाथों में सौंपा जा रहा है।

राहुल गांधी कब माफी मांगेंगे : चिराग

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने राजगीर में आयोजित 'बहुजन भीम संकल्प समागम' में पहुंचे, जहां उन्होंने बिहार विधान सभा चुनाव में लड़ने को लेकर एक अलग तरह का बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आने वाले विधानसभा चुनाव में 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' के विजन के साथ उतरेगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं बिहार से चुनाव नहीं लड़ूंगा, बल्कि बिहार के लिए लड़ूंगा। लोक जनशक्ति पार्टी सभी 243 सीटों पर जनता के बीच जाएगी। अपने भाषण में चिराग पासवान ने विपक्षी दलों खासकर राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यह भ्रम फैलाया गया कि तीसरी बार मोदी सरकार आने से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। जबकि सच्चाई यह है कि लोकतंत्र की हत्या 1975 में कांग्रेस और इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर की थी। तेजस्वी यादव के '20 महीने में 20 साल का काम' के दावे पर चिराग ने तंज कसते हुए कहा कि अगर आपको 20 महीने का समय दे भी दिया जाए तो क्या आप उन गरीबों को उनकी जमीन लौटा देंगे, जो आपने नौकरी देने के नाम पर हड़प ली थी? चिराग पासवान ने अपने पिता स्व. रामविलास पासवान के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ही पहली बार भारतीय संसद में डॉ. भीमराव अंबेडकर की तैलीय तस्वीर लगवाई थी।

आर्थिक तंगी में एक और व्यापारी ने दी जान

» लखनऊ में व्यापारी, उसकी पत्नी और बेटी ने जहर खाकर की आत्महत्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कथित तौर पर कर्ज में डूबे एक व्यापारी, उसकी पत्नी और नाबालिग बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) विश्वजीत श्रीवास्तव ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना चौक थाना क्षेत्र के अशरफाबाद की है।

उन्होंने बताया कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि कपड़े के कारोबारी शोभित रस्तोगी (48), उनकी पत्नी शुचिता रस्तोगी (44) और बेटी ख्याति रस्तोगी (16) ने जहर खा लिया। उन्होंने बताया कि सभी किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रामा सेंटर में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, बताया जा रहा है कि शोभित बैंक के कर्ज से परेशान थे। उन्होंने बताया कि मौके से सल्फास की शीशी बरामद की गयी है। श्रीवास्तव ने बताया कि घटना की सूचना सबसे पहले ख्याति ने अपने चाचा को दी और वह जब तक वहां पहुंचे तब तक स्थिति बिगड़ चुकी थी। उन्होंने बताया कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पशु चिकित्सा में बेटियों की भागीदारी शुभ संकेत : मुर्मू

» आईवीआरआई के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने मेधावियों को किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में मेधावियों को पदक व उपाधि देकर सम्मानित किया। उन्होंने पशु चिकित्सा क्षेत्र में उपाधि और पदक पाने वाले मेधावियों को बधाई दी। कहा कि इस समारोह में छात्राओं की बड़ी संख्या में देखकर गर्व की अनुभूति होती है। बेटियां अन्य क्षेत्रों की तरह पशु चिकित्सा क्षेत्र में भी आगे रही हैं। यह बहुत ही शुभ संकेत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आप सब ने निरीह और बेजुबान पशुओं की चिकित्सा और कल्याण के क्षेत्र को अपने करियर के रूप में चुना है।

इस चुनाव के पीछे 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे सन्तु निरामया' की भारतीय सोच का भी योगदान रहा है। राष्ट्रपति का उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया। इस मौके पर झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार, केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी भी मौजूद रहे। यहां से वह सीधे आईवीआरआई परिसर स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार पहुंचीं। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने स्नातक, मास्टर और डॉक्टरेट डिग्री के विद्यार्थियों को अपने हाथ से प्रमाण पत्र व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने विलुप्त हो रहे जीव-जंतुओं पर चिंता जताई। कहा कि जब विभिन्न प्राणियों का संवर्धन होगा, तब जैव-विविधता बढ़ेगी और यह धरती तथा मानव जाति खुशहाल होगी। भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान जैसी संस्थाओं से अपील है कि वे जैव-विविधता को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं और आदर्श प्रस्तुत करें।

पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता

राष्ट्रपति ने कहा कि 'ईशावास्यम् इदम् सर्वम्' के जीवन मूल्य पर आधारित हमारी संस्कृति, सभी जीव-जंतुओं में ईश्वर की उपस्थिति को देखती है। पशुओं से हमारे देवताओं व ऋषि-मुनियों का संवाद होता है। भगवान के कई अवतार भी इसी विशिष्ट श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सक या शोधकर्ता के रूप में कार्य करें तो बेजुबान पशुओं के कल्याण की भावना मन में हो। पशु और मानव में एक परिवार का रिश्ता है।

बिहार में बिजली गिरने से 5 लोगों की गई जान

» हिमाचल में लैंडस्लाइड के बाद टनल में गाड़ियां फंसी

» यूपी-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट से पहले आने वाली टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया।

इससे सड़क यातायात प्रभावित हुआ है। टनल के अंदर भी वाहन फंस गए हैं।हिमाचल में 20 जून के बाद से बारिश से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। मंडी में जूनी- ब्यास नदी उफान पर हैं।मौसम विभाग के अनुसार, आज 31 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश होगी। उत्तराखंड और झारखंड में रेड अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश-राजस्थान समेत 12 राज्यों में तेज बारिश का ऑरेंज और 17 राज्यों में यलो अलर्ट है। हिमाचल के सोनल में चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे बंद है। वीडियो सोमवार सुबह का है।

बारिश के बाद रोकी गयी चार धाम यात्रा फिर से शुरू

भारी बारिश के बाद चार धाम यात्रा पर 24 घंटे के लिए लगी रोक हटा दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने सोमवार को बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को मौसम की स्थिति को देखते हुए वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

तेलंगाना की केमिकल फैक्ट्री में धमाका, 10 मजदूरों की मौत

» 15 से 20 लोग घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के पशमीलाराम में सिगाची केमिकल इंडस्ट्री में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, फैक्ट्री में रिएक्टर विस्फोट के कारण आग लगी। तेलंगाना के अग्निशमन अधिकारियों ने बताया है कि रिएक्शन विस्फोट के कारण लगभग 15 से 20 लोग घायल हुए हैं। तेलंगाना टुडे के अनुसार, विस्फोट के कारण कई श्रमिकों के फंसे होने की भी आशंका है।

घटनास्थल पर 11 दमकल गाड़ियां तैनात की गई हैं और आग बुझाने का काम जारी है। फंसे हुए श्रमिकों को खोजने के लिए बचाव और खोज दल भी घटनास्थल पर तैनात किए गए हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस पहुंच गईं।

हम हिंदी विरोधी नहीं, सिर्फ उसे थोपे जाने के खिलाफ हैं : उद्धव ठाकरे

» कहा- सरकारी आदेश की प्रतियां जलाने का मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी हिंदी का विरोध नहीं करती, बल्कि इसे ''थोपे जाने'' के खिलाफ है। दक्षिण मुंबई में एक विरोध-प्रदर्शन के बाद ठाकरे ने यह बात कही। इस विरोध-प्रदर्शन के दौरान 17 जून के उस सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई गईं, जिसमें स्कूलों के लिए तीन नीति संबंधी निर्देश जारी किया गया था। शिवसेना (उबाठा) ने पूरे राज्य में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किए। ठाकरे ने कहा, हमने सरकारी आदेश की प्रतियां जलाई हैं, जिसका मतलब है कि हम इसे स्वीकार नहीं करते।

सवाल यह है कि आप छात्रों पर कितना दबाव डालने जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर पांच जुलाई को होने वाला 'मोर्चा' भव्य होगा, जो उनकी पार्टी और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 Email : daily4pm@gmail.com website: www.4pm.co.in RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।